

श्याम तेरा कीर्तन जो मन से कराता है लिरिक्स



श्याम तेरा कीर्तन जो,
मन से कराता है,
श्याम तेरा कीर्तन जो,
मन से कराता है,
सुनने को सांवरिया,
खुद लीले चढ़ आता है,
श्याम [तेरा कीर्तन](#) जो,
मन से कराता है।bd।

तर्ज - बाबुल का ये घर।

ऐसे नहीं कहते है,
हारे का सहारा लोग,
हर एक मुसीबत से,
मेरा श्याम ही बचाता है,
श्याम तेरा कीर्तन जो,
मन से कराता है।bd।

कैसे मैं गिनाऊँ तुम्हे,
एहसान कितने है,
अपने दीवानों को,
वो तो गले से लगाता है,
श्याम तेरा कीर्तन जो,
मन से कराता है।bd।

श्याम तेरा कीर्तन जो,
मन से कराता है,
श्याम तेरा कीर्तन जो,
मन से कराता है,
सुनने को सांवरिया,
खुद लीले चढ़ आता है,
श्याम तेरा कीर्तन जो,
मन से कराता है।bd।

गायक / प्रेषक - मुकेश दीक्षित।

9997351808

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>